15 दिन के लिए पुरूषार्थ का चार्ट

पहला दिन. मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ ....., हर घण्टे पांच बार अभ्यास।

2 '' सर्वशक्तिवान शिव बाबा सिर के ऊपर छत्रछाया है ..... सारे दिन ऐसा अनुभव करते रहना है ..।

3 '' मैं इस देह में अवतरित विशेष आत्मा हूँ ....., बार-बार शरीर में आना, शरीर से न्यारे हो जाना..।

4 '' बाबा ऊपर से आवाज दे रहा है .....तुम महान आत्मा हो....तुम मेरे पास आ जाओ.....।

5 '' बाबा मेरा है, भाग्यविधाता मेरा दोस्त है ..... सर्व सम्बन्धों का अनुभव करना .....।

6 '' ज्ञानसूर्य शिवबाबा मेरी आंखों के सामने है .....सर्वशक्तियों की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं.....।

7 '' मैं पूर्वज आत्मा कल्पवृक्ष की जड़ों में बैठ सारे वृक्ष को शान्ति का दान दे रहा हूँ.....।

8 '' मैं मस्तक में विराजमान चमकती हुई मणि स्वराज्य अधिकारी हूँ.....।

9 '' बिन्दू बन परमधाम में बाबा के पास जाकर बैठ जाना, बाबा के साथ का अनुभव करना .....।

10 '' मैं परम पवित्र फरिश्ता हूँ....., मुझ से सारे विश्व को पवित्रता की किरणें जा रही हैं....।

11 '' मैं बाप समान हूँ....जैसे बाबा ऊपर से सारे संसार को सकाश दे रहे हैं, ऐसे मैं भी सकाश दे रहा हूँ...।

12 '' मैं लाईट हाउस, माइट हाउस हूँ...., सब को लाइट माइट देना..., सबको आत्मा देखने का अभ्यास करना।

13 '' अब 84 जन्मों का खेल पूरा हुआ....., सभी आत्माओं को मुक्ति जीवनमुक्ति का अनुभव कराते हुए मैं आत्मा चली अपने घर वापस स्वीटहोम..., साक्षीपन का अभ्यास..।

14 '' मैं विघ्न विनाशक, मास्टर दुःख हर्ता, सुख कर्ता हूँ, पूज्य स्वरूप में स्थित होना.....।

15 '' मैं बाप समान विश्वकल्याणकारी मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ....., मुझ से सर्व शक्तियों की किरणें सारे संसार में प्रवाहित हो रही हैं, पांचों तत्वों सहित विश्व की सर्व आत्माएं सुख, शान्ति, शक्ति का अनुभव कर रही हैं.....।

ओम् शान्ति